THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI (SHRI SHIVRAJ PATIL): (a) Yes, Sir. The cut in the Defence Budget on account of drought is Rs. 250 crores.

(b) and (c) The expenditure consists of large number of items and correct and final figures are not readily available.

The cost will be borne in accordance with the understanding between the two Governments.

Anti-Chinese riots in Lhasa

2798. SHRIMATI KRISHNA KAUL: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to anti-Chinese riots in Lhasa in Tibet in the first week of October, 1987;

(b) whether the Chinese have blamed H.H the Dalai Lama for inciting these riots; and

(c) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) Government have seen reports to this effect.

(c) Government recognise Tibet as an autonomous region of China.

विदेशों में भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों द्वारा राजभाषा का प्रयोग

2799 **श्री लालदम्बी प्रसाद गुप्त** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संविधान और राजभाषा अधिनियम विदेशों में हमारे दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों पर भी लागू होता है ; यदि हां, तो इन्हें कार्यान्वित करने की [illegible]

(ख) क्या उपर्युक्त सभी कार्यालयों में पर्याप्त संख्या में देवनागरी लिपि के टंकण यंत्र, टंकक तथा आशुलिपिक हैं ; और यदि नहीं थे तो कहां-कहां पर नहीं है, और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ,

(ग) क्या उपर्युक्त कार्यालयों के देवनागरी के टेलेक्स टेलीप्रिन्टर और शब्द संसाधक (वर्डप्रोसैसर) आदि जैसे आधुनिक यंत्र उपलब्ध कराए गए हैं; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ; और

(घ) क्या यह सच है कि वहां राजभाषा के प्रयोग का निरीक्षण न किए जाने के कारण राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का भी पालन नहीं होता है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० नटवर सिंह) : (क) जी, हां । इनके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी विदेश मंत्रालय पर है ।

(ख) नीचे दिए गए मिशनों को छोड़कर सभी भारतीय मिशनों को देवनागरी टाइपराइटर उपलब्ध करा दिए गए हैं —

1. भारत का प्रधान कांसलावास, बसरा ।
2. भारत का प्रधान कोंसलावास, शिराज ।
3. भारत का प्रधान कोंसलावास, जद्दिन ।
4. भारत का हाई कमीशन, हरारे ।

भारत के विदेश स्थित मिशनों में से 51 मिशनों में लिपिकों के भारत-आस्थानी पद है जिनमें से 25 में हिंदी टंकक हैं । उन भारतीय मिशनों के नाम जिनमें ऐसे टंकक नहीं है संलग्न विवरण-I में दिए गए है । (नीचे देखिये) उन मिशनों की सूची जिनमें हिंदी आशुलिपिक नहीं है संलग्न विवरण-II में दी गई है । (नीचे देखिये)

हिन्दी टंककों और आशुलिपिकों की तैनाती पर विचार मिशन की आवश्यकता के आधार पर किया जाता है । अनुरोध प्राप्त होने पर ऐसे कार्मिकों को तैनात करने के प्रयास किए जाते है ।